

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई ने "आदिवासी उपयोजना के तहत झारखंड के अनुसूचित जनजाति लाभार्थियों के लिए एकीकृत मल्टी-ट्रॉफिक जलीय कृषि (आईएमटीए) मॉडल" का प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया।

भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफई), मुंबई ने मत्स्य निदेशालय, झारखंड सरकार के सहयोग से 23-25 जनवरी, 2025 तक झारखंड के हजारीबाग जिले के डोरवा कुंडवा गाँव में "एकीकृत मल्टी-ट्रॉफिक जलीय कृषि (आईएमटीए) मॉडल" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री जॉन टुडी, उप-मंडल अधिकारी और डॉ. प्रदीप कुमार, जिला मत्स्य अधिकारी, हजारीबाग ने किया। दोनों ने पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण द्वारा उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक ही पालन वातावरण में मछली, पर्ल मसल (सीपिया) और सिंघाड़ा के सतत उत्पादन में आईएमटीए के महत्व पर जोर दिया।

भा.कृ.अनु.प.- के.मा.शि.सं., मुंबई के वरिष्ठ वैज्ञानिक और इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. प्रेम कुमार ने आईएमटीए कृषि प्रणाली के आर्थिक लाभों सहित तकनीकी विवरण और वैज्ञानिक ज्ञान की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तुरंत बाद, आईएमटीए कृषि प्रणाली स्थापित की गई और इसके संचालन का प्रदर्शन प्रशिक्षुओं के समक्ष किया गया। आईएमटीए प्रणाली के लिए आवश्यक मछली बीज, पर्ल मसल और सिंघाड़ा लाभार्थियों को वितरित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं, वैज्ञानिकों और मत्स्य अधिकारियों सहित 80 से अधिक अनुसूचित जनजाति लाभार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन आदिवासी उपयोजना के नोडल अधिकारी डॉ. मुनीलकुमार सुखम, एफएनबीपी प्रभाग के प्रमुख डॉ. के.एन. मोहंता और भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई के निदेशक/कुलपति डॉ. सी.एन. रविशंकर के मार्गदर्शन में किया गया।

ICAR-CIFE organized a training-cum-demonstration of “Integrated Multi-Trophic Aquaculture (IMTA) Model for Scheduled Tribe (ST) Beneficiaries of Jharkhand under TSP”

ICAR-Central Institute of Fisheries Education (ICAR-CIFE), Mumbai in collaboration with the Directorate of Fisheries, Govt. of Jharkhand organized a 3 days training-cum-demonstration programme on “Integrated Multi-Trophic Aquaculture (IMTA) Farming Model” at Dorwa Kundwa Gaow, Hazaribagh District, Jharkhand from 23-25 January, 2025. The programme was inaugurated by Mr. John Tudy, Sub-Divisional Officer and Dr. Pradeep Kumar, District Fisheries Officer, Hazaribagh. Both of them emphasized the importance of IMTA in sustainable production of fish, pearl mussel (*Sepia*) and water chestnut (*Singhara*) in a same culture environment to increase the production and productivity by recycling the nutrients.

Dr. Prem Kumar, Sr. Scientist, ICAR-CIFE, Mumbai and Coordinator of this programme briefed the technical details and scientific know of IMTA farming including its economic benefits. Immediately after the training programme, an IMTA farming system was set up and its operation was demonstrated to the trainees. The fish seed, pearl mussel and water chestnut, which are required for IMTA system was distributed among beneficiaries. More than 80 Scheduled Tribe (ST) beneficiaries including women, scientists and fisheries officials attended the programme. The programme was carried out under guidance of Dr. Munilkumar Sukham, Nodal Officer, TSP Dr. K.N.Mohanta, Head, FNBP Division and Dr. C.N. Ravishankar, Director/Vice Chancellor, ICAR-CIFE, Mumbai.



